CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मिल्मा ने डेयरी किसानों के लिए बीमा योजना शुरू की

केरल कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (मिल्मा) ने गर्मियों के दौरान दूध की पैदावार में गिरावट के कारण आय में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए डेयरी किसानों के लिए एक बीमा योजना शुरू की है।

मिल्मा ने बुधवार को भारतीय कृषि बीमा कंपनी लिमिटेड (एआईसी) के साथ 'सरल कृषि बीमा' नामक पशु बीमा योजना शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

गायों और भैंसों को कवर करने वाली यह योजना किसानों के लिए बीमा लाभ की गारंटी देती है यदि तापमान लगातार छह दिनों या उससे अधिक के लिए निर्दिष्ट सीमा से अधिक हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप दूध की उपज में भारी गिरावट आती है।

मिल्मा के एक बयान में कहा गया है कि किसानों को आठ दिनों से अधिक के लिए 140 रुपये, 440 रुपये, दस दिनों से अधिक के लिए 900 रुपये और 25 दिनों से अधिक के लिए 2,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा।

बीएल एग्रो 1,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ डेयरी सेगमेंट में प्रवेश करेगी

बीएल एग्रो, भारत की अग्रणी एफएमसीजी कंपनी में से एक, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सहयोग से डेयरी सेगमेंट में प्रवेश करने की योजना बना रही है और वर्ष 2025 के अंत तक 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल ने कहा।

गाय पालने के लिए फार्म खोलने के लिए कंपनी ने पहले ही बरेली, उत्तर प्रदेश और अमरेली गुजरात में 109 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया है।

खंडेलवाल ने कहा, "हम पशुपालन में उद्यम करने की योजना बना रहे हैं। हम ब्राजील की सर्वश्रेष्ठ गायों को भारत लाएंगे, क्योंकि वे सर्वश्रेष्ठ उपज के लिए जानी जाती हैं।" उन्होंने कहा, "और फिर अंततः हम दूध और पनीर जैसे डेयरी उत्पादों को बाजार में पेश करेंगे।"

"हम संचालन के पहले वर्ष के दौरान 7,200 गायों को विकसित करने का लक्ष्य रखते हैं। इसके बाद डेयरी सेगमेंट में उद्यम करने में हमें कम से कम 2 साल लगेंगे," उन्होंने आगे कहा।

आत्मनिर्भरता के सशक्त माध्यम के रूप में उभर रहा दुग्ध व्यापार : उत्तर प्रदेश मंत्री

भारत में पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री के अनुसार, दुग्ध व्यापार किसानों और डेयरी मालिकों की आय बढ़ाने में मदद कर रहा है। राज्य के पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि दुग्ध व्यापार आत्मनिर्भरता के एक मजबूत साधन के रूप में उभरा है और शहरों और गांवों में किसानों और डेयरी मालिकों की आय बढ़ाने में मदद कर रहा है।

वे यहां दुग्ध विकास विभाग द्वारा अधिकतम दुग्ध उत्पादन के लिए दुग्ध उत्पादकों को ''गोकुल'' और ''नंदबाबा'' पुरस्कार वितरित करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने कहा कि लोग अपनी आय के पूरक के लिए कृषि के साथ-साथ पशुपालन और डेयरी विकास को एक संबद्ध गतिविधि के रूप में अपना रहे हैं। "पशुपालन और डेयरी विकास में 70-80% लोग भूमिहीन या सीमांत किसान हैं," उन्होंने कहा।

कृषि लिंग अंतर को पाटने से विश्व को $1 ट्रिलियन का लाभ होगा: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि और खाद्य प्रणाली में लिंग अंतर को बंद करना, जहां महिलाएं अभी भी पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था में $1 ट्रिलियन जोड़

इस मामले में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) 2011 के अध्ययन को अद्यतन करने वाली रिपोर्ट में पाया गया कि महिलाओं को कृषि खाद्य प्रणालियों में "हाशिए" स्थान पर कब्जा करना जारी है।

महिलाओं को "काम की परिस्थितियों का सामना करना चाहिए जो अक्सर पुरुषों की तुलना में अधिक कठिन होते हैं, जिसमें वे आकस्मिक, अंशकालिक, अनौपचारिक या कम-कुशल नौकरियों तक ही सीमित हैं"। महिलाएं उप-सहारा अफ्रीका के कई देशों में आधे से अधिक कृषि कार्यबल का प्रतिनिधित्व करती हैं, और दक्षिण पूर्व एशिया में आधे से भी कम।

दुनिया भर में, भूमि तक पहुंच, उर्वरक और बीज जैसे संसाधनों, वित्तपोषण या प्रौद्योगिकी की बात आने पर वे पिछड़ रहे हैं, जबकि वे अक्सर जीवित रहने के लिए कृषि पर अधिक निर्भर होते हैं।

एफएओ ने कहा, "संपत्ति के अधिकार रखने वाले या कृषि भूमि के अधिकारों की गारंटी देने वाले पुरुषों का हिस्सा महिलाओं की तुलना में दो गुना अधिक है," महिलाओं की भूमि के स्वामित्व पर डेटा प्रदान करने वाले 40 प्रतिशत से अधिक देशों में।

उनके संसाधनों और सूचनाओं की कमी के कारण, "महिलाओं में जलवायु के झटकों के दौरान अनुकूलन और लचीलेपन की क्षमता भी कम होती है"। कोविद -19 महामारी के पहले वर्ष के दौरान, केवल दो प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कृषि-खाद्य उद्योगों में "22 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी नौकरी खो दी"।

सिंह के अनुसार, पिछले साल 189,000 मवेशियों की जान लेने वाले गांठदार त्वचा रोग के प्रभाव और दूध की मांग में महामारी के बाद की वापसी के कारण देश का दूध उत्पादन स्थिर रहा। “मवेशियों पर गांठदार त्वचा रोग का प्रभाव इस हद तक महसूस किया जा सकता है कि कुल दूध उत्पादन कुछ हद तक स्थिर है। आम तौर पर दुग्ध उत्पादन सालाना 6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। हालांकि, इस साल यह या तो स्थिर रहेगा या 1-2 फीसदी की दर से बढ़ेगा।'

फिर भी "महिलाओं और पुरुषों के बीच मौजूद इन असमानताओं का उन्मूलन, क्योंकि यह कृषि उत्पादकता और मजदूरी से संबंधित है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत" या लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि करेगा। इससे खाद्य-असुरक्षित लोगों की संख्या में भी 4.5 करोड़ की कमी आएगी।

मदर डेयरी के पास मूल्य वर्धित डेयरी बाजार खंड के लिए बड़ी योजनाएं हैं

अग्रणी दूध और दूध उत्पाद कंपनी मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड ने घोषणा की कि वह अगले तीन वर्षों में लगभग 100 उत्पादों को लॉन्च करने की योजना के साथ अपने मूल्य वर्धित डेयरी खेल को मजबूत करने के लिए कमर कस रही है।

उद्योग में अग्रणी और उपभोक्ता केंद्रित डेयरी खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि करने के लिए अगले 3 वर्षों में, हमारा लक्ष्य 100 से अधिक नए उत्पादों को पेश करना है; यह वर्ष इस यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है," मनीष बंदलिश, प्रबंध निदेशक, मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा।

डेयरी फर्म ने 2023 के गर्मियों के मौसम के लिए 15 से अधिक नए उत्पादों के साथ अपने नए पोर्टफोलियो को लॉन्च करने की भी घोषणा की। बंदिश जोड़ा गया।

इस वर्ष के लिए नए उत्पाद लाइन-अप में उपभोग के लिए तैयार कस्टर्ड, 2 कोल्ड कॉफी और 10 से अधिक आइसक्रीम वैरिएंट शामिल हैं। मदर डेयरी ने कहा कि इसके अलावा, कंपनी ने अपने न्यूट्रीफिट कर्ड की पेशकश को विटामिन ए और डी से समृद्ध किया है।

केंद्र ने दूध और डेयरी आयात की योजना को नकारा

एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने डेयरी उत्पादों के आयात के लिए कोई निर्णय नहीं लिया है, हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सरकार स्थानीय कमी के कारण विदेशी बाजारों से खरीदारी करने पर विचार कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अधिकारी ने इन रिपोर्टों को भ्रामक करार दिया और पुष्टि की कि अब तक डेयरी उत्पादों के आयात की कोई योजना नहीं है।

सिंह ने कहा कि (पशुपालन) विभाग ने डेयरी उत्पादों के आयात पर कोई फैसला नहीं किया है और यह विभाग हमेशा नीतिगत निर्णय लेते समय डेयरी उत्पादकों के हितों को सबसे आगे रखता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में दुग्ध उत्पादों का निजी आयात 2022-23 की अवधि में 1000% से अधिक बढ़कर 4.77 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब स्पष्ट मक्खन (घी) जैसी वसा वाली वस्तुओं के निर्यात में उच्च वैश्विक कीमतों के कारण रिकॉर्ड स्तर पर उछाल देखा गया है। सिंह ने कहा, "दिसंबर 2022 की तुलना में फरवरी 2023 में मक्खन और घी की सूची में काफी सुधार हुआ है और इसके बेहतर रहने की उम्मीद है।"

उन्होंने कहा कि देश में स्किम्ड मिल्क पाउडर का स्टॉक कम गर्मी के महीनों में आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त था।

पशुपालन सचिव के अनुसार, मार्च में असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण भारत में दुग्ध उत्पादन के लिए फ्लश सीजन को बढ़ा दिया गया है। डेयरी फार्मिंग की लाभप्रदता बनाए रखने और निरंतर दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए यह कदम आवश्यक था। हालाँकि, इससे खुदरा दूध की कीमतों में भी वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू बजट प्रभावित हुआ है और उपभोक्ताओं में चिंता पैदा हुई है।

जीरो काउ फैक्ट्री, भारत का पहला पशु-मुक्त सटीक किण्वन डेयरी स्टार्टअप सीड फंडिंग में $4 मिलियन सुरक्षित करता है

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत के शीतल पेय बाजार में अपनी उपस्थिति बनाने के लिए प्रतिष्ठित शीतल पेय, कैम्पा-कोला को पुनर्जीवित करने की अपनी योजना की घोषणा करने के बाद रिलायंस उपभोक्ता उत्पादों का समर्थन किया। यह आइसक्रीम और डेयरी बाजार में उतरकर अमूल और मदर डेयरी जैसे डेयरी ब्रांड्स को टक्कर देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुकेश-अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी अपने ब्रांड, इंडिपेंडेंस के तहत गुजरात से शुरू होने वाले आइसक्रीम उत्पादों को लॉन्च करने की योजना बना रही है, और राज्य में एक निर्माता के साथ एक अनुबंध भी कर सकती है, बिजनेस स्टैंडर्ड ने अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस अमूल और मदर डेयरी जैसे डेयरी ब्रांड्स को सीधे टक्कर देने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी मेगा-विस्तार योजना के हिस्से के रूप में, कंपनी बाजार में मूल्य वर्धित स्थान में कुछ प्रमुख अधिग्रहण करने की भी योजना बना रही है।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में अमूल के पूर्व प्रबंध निदेशक रूपिंदर सिंह सोढ़ी की हाल ही में नियुक्ति से कंपनी को डेयरी बाजार में अपनी बढ़त बनाने में मदद मिल सकती है। आरएस सोढ़ी के अलावा, रिलायंस ने संदीपन घोष को भी रिलायंस रिटेल के डेयरी और फ्रोजन फूड विंग के बिजनेस हेड के रूप में नियुक्त किया है। उन्हें मिल्क मंत्रा और लैक्टैलिस इंडिया के साथ काम करने का अनुभव है।

गौरतलब है कि समूह का डेयरी बाजार में प्रवेश करने का यह दूसरा प्रयास होगा। इससे पहले रिलायंस समूह अपना कारोबार हेरिटेज फूड्स को बेचने के बाद 2016 में डेयरी बाजार से बाहर हो गया था।

सीईडीएसआई लैक्टालिस इंडिया के कर्मचारियों के लिए दूध गुणवत्ता प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है

सीईडीएसआई ने महाराष्ट्र के श्रीरामपुर में लैक्टैलिस इंडिया के कर्मचारियों के लिए दूध गुणवत्ता प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य लैक्टैलिस के कर्मचारियों को परीक्षण और ग्रेडिंग, भंडारण और परिवहन सहित दूध की गुणवत्ता प्रबंधन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम में स्वच्छता और सुरक्षा प्रोटोकॉल, गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन जैसे विषय भी शामिल होंगे। सत्र में लैक्टैलिस के कुल 27 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।